Annual Progress Report

Srishti Jan Kalyan Samiti

20-21

A fruitful Journey of Srishti

SRISHTI JAN KALYAN SAMITI
3 floor choudhry bhawan bankhola
bageshwar pin 263642 uk
www.srishtingo.org
e-mai:sjksukngo@rediffmail.com

Massage From Chief Functionary

प्रिय साथियो,

वर्तमान समय हम सब के लिए किसी त्रासदी से कम नहीं है। करोना वायरस से जहां एक ओर मनुष्य का स्वास्थ्य बूरी तरह प्रभावित हुआ है वहीं दूसरी ओर हमारी सामाजिक एवं आर्थिक उपलब्धियां तार–तार हुयी हैं। हम भारतीय ही नहीं अपितु सारा विश्व समुदाय इस महामारी से त्राहिमाम कर रहा है।

इन जटिल परिस्थितियों से समाज को बाहर निकालने में सामाजिक संगठनों की अहम भूमिका हो सकती है। जिसमें मार्ग दर्शन, प्रोत्साहन, दक्षता विकास, पुनर्वास जैसे कई क्षेत्र हैं जिनमें कार्य कर सामाजिक संगठन मानवता की सेवा कर सकते हैं। मुझे खुशी है सृष्टि जन कल्यान समिति, इसके कार्यकारिणी सदस्य व स्वयंसेवक इन लक्ष्यों को अर्जित करने की ओर अग्रसर हैं।

वर्ष 2020–21 की गतिविधियों का लेखा जोखा आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुये मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है। गुजरे वर्ष हमने पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण छात्रों का वौद्धिक विकास, ग्रामीण समुदाय की आजीविका एवं आय संवर्धन, सहकारिताओं का सुदृढ़िकरण, करोना महामारी के प्रति जागरूकता आदि कार्य सफलतापूर्वक संचालित किये और व्यापक जन हित को साधने में सफल रहे।

मैं यूएफआरएमपी परियोजना प्रबंधन, दान दाताओं, शासन–प्रशासन व अपने कर्मयोगी स्वयं सेवकों का आभार व्यक्त करता हूं जिनके सहयोग से सृष्टि जन कल्याण समिति जन हित के व्यापक कार्य लक्ष्य को अर्जित करने में सफल रही।

धन्यवाद

जीवन एस दानू इरेश
चीफ फंक्शनरी

SRISHTI JAN KALYAN SAMITI

izxfr izfrosnu 2020&21

vuqdzef.kdk

dz0	fooj.k	Ikst ua0
1-	vkHkkj phQ QaD'kujh	1
2-	l`f"V ,d ifjp;	2
3-	l`f"V dk;Z {ks=	3
4-	Xkfrfof/k {ks=	4
5-	dk;Zdze@ifj;kstuk& ljdkjh	5
6-	dk;Zdze@ifj;kstuk &ljdkjh	6
7-	l`f"V ds dk;Zdze	7
8-	l`f"V ds dk;Zdze	10
9-	l`f"V ds dk;Zdze	10
10	Future Focus Intervention	11
11-	gekjs in fpUg	12

SRISHTI JAN KALYAN SAMITI
3rd Floor, Choudhari Bhawan
Bankhola, Jeetnagar, Bageshwar 263642
UTTARAKHAND, INDIA
Web: www.srishtingo.org, email:sjksukngo @rediffmail.com
Contact No- 9758079227

सृष्टि एक परिचय

वर्ष 2001–02 में "न तु अहम् कामये राज्यम, न स्वर्गम् न पुनर्भभवम्, कामये दुःख ताप्तानाम् प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्," के लक्ष्य तथा **"Helping people to help themselves"** के सारभूत तत्व को ले कर पत्रकारिता, विधि, व्यापार, अध्यापन व समाज सेवा के कार्य में लगे समान विचारधारा के लोगों द्वारा सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 धारा–21 के तहत धर्म, राजनीति, पंथ, सम्प्रदाय लाभ से परे हट कर सामाजिक संस्था **सृष्टि जन कल्याण समिति** का गठन किया गया। विगत 17 वर्ष से संस्था निम्न दर्शन, लक्ष्य व उद्देश्य को ले कर समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत है।

1– दर्शन Vision: सत्य एवं अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए जाति, धर्म व लिंग विभेद से परे वैयक्तिक सम्मान से परिपूर्ण शोषण मुक्त समाज की स्थापना करना। Establish a non-exploitive self-reliant social order devoid of inequalities based on cast, creed, religion or sex and characterized by dignity of the individuals with the primacy of truth and nonviolence for its perpetuation.

2– लक्ष्य Mission: समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का सःशक्तिकरण। Empowerment of the lowest rungs of the society.

3–उद्देश्य Objective: लोगों को खुद के विकास के लिए जवाबदेह बनाना तथा इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विकासात्मक वतावरण तैयार कर जन–जन को विकास का संवाहक बनाना। To bring people to the development front and help them take responsibility for their own development-creating environment for support and strengthen their potentiality as agents of the change in the society.

Go to the people
Live among them
Learn from them
Love them
Start with what they know
Build on what they know
But of the best leaders
When their task is accomplished
Their work is done
The people all remark
We have done it ourselves
Chinese proverb

सृष्टि का लक्ष्य अपनी सामाजिक गतिविधि यात्रा में समाज के नीचले पायदान पर खड़ा व्यक्ति रहा है। इसी लिए लक्ष्य में शामिल दूरस्थ क्षेत्रों व पिछड़े वर्ग के लोगों के सर्वागीण विकास व उत्थान के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। किसी भी कार्ययोजना में लाभार्थियों के चयन के समय निम्नांकित वर्गों को प्राथमिकता देने का प्राविधान किया गया है।

1–दुर्गम व अतिपिछड़े क्षेत्र के लोग।
2–बीपीएल व आर्थिक रूप से कमजोर लोग।
3–एससी, एसटी व अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग।
4–महिलाएं।
5–विकलांग व शाररिक रूप से कमजोर लोग।
6–खेतीहर किसान।

सृष्टि कार्य क्षेत्र

उत्तराखण्ड संक्षिप्त परिचय

भूगोल : उत्तराखण्ड राज्य 9 नवम्बर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग हो कर भारत गणतंत्र के 27 वें राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। राज्य की अवस्थिति 28° 44' & 31° 28' N लेटीट्यूट तथा 77° 35' & 81° 01' E. लौंगीट्यूट के मध्य है। 53483 वर्ग किमी भू भाग में फैले राज्य को भौगोलिक दृष्टि से तीन भागों कमशः हिमालयी क्षेत्र, शिवालिक क्षेत्र व तराई क्षेत्र में विभाजित किया जा सकता है। राज्य का 38000 वर्ग किमी क्षेत्र वनों से आच्छादित है जो कुल क्षेत्रफल का 65 प्रतिशत है। राज्य के जंगल जैव विविधता से परिपूर्ण हैं। भागीरथी, अलकनन्दा, मंदाकिनी, पिण्डारी, टोंस, यमुना, काली, नयार, भिलंगना, सरयू, राम गंगा आदि नदियां राज्य की लाइफ लाइन हैं।

प्रशासनिक इकाइयां: उत्तराखण्ड प्रशासनिक दृष्टि से कुमाऊं एवं गढ़वाल 2 मंडलो, 13 जनपदों, 110 तहसीलों, 18 उप तहसीलों, 95 विकास खण्डों, 670 न्याय पंचायतों, 7950 ग्राम पंचायतों, 16675 आबाद ग्रामों, 8 नगर निगमों, 39 नगर पालिका परिषदों, 47 नगर पंचायतों व 9 छावनी परिषदों में विभक्त है। राज्य से 5 लोक सभा व 3 राज्य सभा सीटें हैं। राज्य की विधान सभा में 70 सीटें हैं।

डेमोग्राफी: उत्तराखण्ड की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 10086292 है, जिसमें 5137773 पुरुष व 4948519 महिलाएं शामिल हैं। राज्य में लिंगानुपात 963:1000, जनसंख्या घनत्व 189 प्रति वर्ग किमी तथा साक्षरता दर 78.8 है जिसमें पुरुषों की साक्षरता 87.4 व महिलाओं की साक्षरता 70 प्रतिशत है।

आर्थिक स्थिति: राज्य में प्रति व्यक्ति आय 173820 है। अधिकांश लोगों की आर्थिकी खेती व कृषि सह कार्यों पर निर्भर है। लोगों द्वारा गाय, भैंस, बकरी व भेड़ों का पालन मुख्यतया किया जाता है। राज्य में पशुधन की संख्या 2007 की गणना के अनुसार 50 लाख के लगभग है। कृषि आधारित अर्थ व्यवस्था के कारण स्थानीय लोगों एवं उनके पशुधन की वनों पर निर्भरता काफी अधिक है।

राज्य के ससाधन: राज्य के संसाधनों में वन सम्पदा, जल संसाधन, जड़ी–बूटी, तीर्थाटन, खनिज सम्पदा आदि शामिल हैं। यहां पाये जाने वाले प्रमुख खनिजों में चूना पत्थर मैग्नेसाइड, जिप्सम आदि हैं। फसलों में धान, गेहूं, जौ, मडुवा, झंगोरा, रामदाना, मक्का आदि शामिल हैं। फलों में सेब, नाशपाती, पुलम, लीची, आम, अमरूद, नारंगी माल्टा आदि मुख्य हैं।

राज्य वन संसाधनों के मामले में काफी सम्पन्न है, इसी लिए प्राचीन काल से ही राज्य के लोग आजीविका एवं अन्य संसाधनों के लिए जंगलों पर निर्भर रहते आये हैं, जिसमें पशु चारण भी शामिल है। वर्तमान जरूरतों के मुताबिक लोगों की आजीविका व आय के मानक बदले हैं। जिसकी पूर्ति परम्परागत खेती व पशुपालन से सम्भव नहीं है। जिसके लिए स्थानीय स्तर पर आय सृजक गतिविधियों का सृजन जरूरी है ताकि पलायन को रोका जा सके। पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, जल संरक्षण जैसे मुद्दे हैं जिसमें लोगों को लामबंद करने के साथ ही उन्हें प्रशिक्षित करना जरूरी है।

गतिविधि क्षेत्र

Spread of Activities Area Of Operation

वर्तमान में सृष्टि बागेश्वर, नैनीताल व उधम सिंह नगर जनपदों के 5 विकास खण्डों के 108 गावों में अपनी गतिविधियों का संचालन कर रही है। संस्था द्वारा संचालित गतिविधियों से 2250 परिवार आच्छादित व 6750 परिवार प्रभावित हैं। गतिविधि क्षेत्र का व्यापक विवरण निम्नानुसार है।

क0	जनपद	विकास खण्ड	गांवों की संख्या	मुख्य गतिविधि
1	बागेश्वर	02	82	उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना
2	बागेश्वर	02	10	स्वच्छ भारत अभियान ग्रामीण (एसएलडब्ल्यूएम)
3	नैनीताल	02	12	महिला सःशक्तिकरण
4	यूएसनगर	01	06	कम्प्यूटर प्रशिक्षण

सृष्टि संकेन्द्रित क्षेत्र एवं परियोजनाएं

Srishti's Focus Areas and Projects

वर्तमान में सृष्टि अपनी बहुआयामी गतिविधियों के माध्यम से समाज कार्य में लगी है। मुख्य रूप से संस्था के कार्यकम एवं परियोजनाएं 17 क्षेत्रों में संकेन्द्रित हैं।

क–सामुदायिक संगठनों का विकास (महिला सःशक्तिकरण के परिपेक्ष में)।
ख–प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (पर्यावरण संरक्षण)।
ग–आजीविका एवं आय सृजन।
घ–सामुदायिक स्वास्थ्य प्रबंधन।
ड़–परम्परागत ज्ञान अभिलेखीकरण।
च–पुस्तकों व स्मारिका आदि का प्रकाशन।
छ–पेयजल एवं स्वच्छता।
ज–मृदा एवं कृषि विकास।
झ–जड़ी–बूटियों का कृषिकरण।
ञ–सहकारिता विकास।
ट–तकनीक हस्तान्तरण (लैब टू लैण्ड)।
ठ–लोक कला को प्रोत्साहन।
ड–व्यायसायिक प्रशिक्षण एवं मार्ग दर्शन।
ढ–बाल एवं किशोर शैक्षिक प्रोत्साहन।
ण–महिलाओं के प्रति हिंसा का प्रतिरोध।
त– सृजक सम्मान।
थ–एसआरआरसी (सृष्टि रूरल रिसोर्स सेंटर)।

सृष्टि का दृष्टिकोण गतिविधि संचालन में समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचानाने का है। जिसमें लोगों की आजीविका, आय सृजन व उनके परिवेश को सजाना संवारना शामिल है। राज्य में पलायन को रोकना सबसे बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप पलायन के मुख्य कारणों में शिक्षा, चिकित्सा, यातायात व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी रहा है किन्तु सबसे बड़ा कारण बदलते परिवेश में आजीविका व आय सृजन अवसरों व गतिविधियों की कमी का होना है।

इसके लिए सृष्टि विभिन्न संगठनों, विभागों व लोगों व लाभार्थियों के सहयोग से कार्यकमों का संचालन कर सीमित स्तर पर ही सही इस तस्वीर को बदलने का प्रयास कर रही है।

कार्यकम/परियोजना

अ–राजकीय परियोजनाएं: सृष्टि द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान निम्न सरकारी कार्यकमों/परियोजनाओं के संचालन में सहयोग किया गया।

1–उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंध परियोजना (वित्त पोषित जायका): सृष्टि द्वारा बागेश्वर वन प्रभाग बागेश्वर के तीन रेंजों कपकोट/ग्लेशियर, धरमघर व बागेश्वर की 82 वन पंचायतों में उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंधन परियोजना (वित्त पोषित जापान इंटरनेशनल कोआपरेशन एजेंसी) **Uttarakhand Forest Resource Management Project funded by Japan International Coopration Agency** का बतौर सहयोगी संस्था कियान्वयन किया जा रहा है।

परियोजना का उद्देश्य: यूएफआरएमपी परियोजना का समग्र लक्ष्य पारिस्थितिकी की पुनर्स्थापना और संसाधनों का विकास, वनों पर निर्भर लोगों की आजीविका में सुधार एवं आय सृजन के साथ ही अत्यन्त संवेदनशील क्षेत्रों में भविष्य में आपदा के जोखिमों को कम करना है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए परियोजना के तहत

संस्था के मुख्य कार्य
पीआरए, माइकोप्लानिंग, बेस लाइन सर्वे, कम्यूनिटी बेस्ड आर्गनाइजेशन फार्मेशन, ट्रेनिंग, मार्केट लिंकेज, रिसर्च, डाक्यूमेंटेशन आदि।

निम्न उपाय किये जा रहे हैं।

1–टिकाऊ आजीविका साधन विकास के माध्यम से वनों के निकटस्थ निवास करने वाले समुदायों खास कर महिलाओं का सःशक्तिकरण तथा ग्रामीणों की पर्यावरण संरक्षण में सकारात्मक भागीदारी।

2–वन पंचायतों एवं जैव विविधता प्रबंधन सरीखी सामुदायिक संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण।

3–आय सृजन सम्बंधी उपायों से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार।

4–क्षेत्र विशेष के अनुरूप तकनीकी एवं वैज्ञानिक वानिकी उपायों का नियोजन एवं कार्यान्वयन, जिसमें मृदा एवं नमी संरक्षण, स्थल में उपलब्ध रूट स्टाक की अन्तर्निहित सम्भावना का उपयोग कर उपयुक्त वन वर्धन कार्यों से अवनत वनों का घनत्व बढ़ाना, उपयुक्त प्रजाति पौधों का रोपण तथा रिक्त स्थानों में ब्लाक रोपण शामिल है।

5–टिकाऊ रोजगार के सृजन एवं उद्यमों के विकास हेतु वनों की उत्पादकता में वृद्धि के लिए प्रकोष्ठ एवं लघु वन उपज जैसे औषधीय एवं सगंध पादप, लीसा, शहद, प्राकृतिक रेशा, प्राकृतिक रंगों आदि के मूल्य सम्वर्धन एवं विपणन को प्रोत्साहित करना। इसके साथ ही बे मौसमी सब्जियों, दुग्ध उत्पाद, ईको टूरिज्म, हस्तशिल्प आदि को बढ़ावा देने का कार्य।

1.	कुल रेंज	03	ग्लेशियर/कपकोट, बागेश्वर, धरमघर।
2.	कुल वन पंचयातें	82	ग्लेशियर/कपकोट 25, बागेश्वर 33 व धरमघर 25 वन पंचायतें।
3.	कुल समूह	162	प्रति वन पंचायत दो समूह।
4.	कुल फेडरेशन	03	सरमूल जायका, बाबा बागनाथ जायका व धौलीनाग जायका एसआरसी

6–विभिन्न विभागों के मध्य अभिसरण।

कार्यकम / परियोजना

ब–स्वच्छ भारत मिशन

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (स्वजल)

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत राज्य खुले में शौच प्रथा से मुक्त होने की कगार पर है। इस लक्ष्य की पूर्ति के उपरान्त हमारा लक्ष्य ग्राम पंचायतों व आस पास के क्षेत्र को कूढ़ा विहीन या स्वच्छ रखना है। जिसमें घर से निकलने वाला ठोस एवं तरल अपशिष्ट का प्रबंधन शामिल है। सृष्टि द्वारा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत स्वजल द्वारा जनपद बागेश्वर में संचालित ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यकम में बतौर सहयोगी संस्था प्रतिभाग किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन के उद्देश्यः स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों को जैविक व अजैविक कूड़े से मुक्त रखना मुख्य उद्देश्य है। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में जहां घरों से निकलने वाला जैविक व अजैविक कूड़ा यत्र–तत्र विर्सजित किया जाता है वहीं तरल अपशिष्ट को भी रास्तों व खेतों में बिना उपचारित किये छोड़ दिया जाता है, जिससे संकामक रोगों के फैलने का खतरा बना रहता है। परियोजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में अपशिष्ट प्रबंधन के निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं।

1– जन समुदाय की स्वास्थ्य की सुरक्षा।
2–पुनः चकीकरण के द्वारा ठोस अपशिष्ट को दो बारा प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहन। 3–गावों को साफ सुथरा रख कर पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त करना। 4–स्थानीय स्तर पर रिसाइकिलिंग प्लांट लगा कर अथवा स्थानीय बाजार में बिकी कर रोजगार सृजन करना तथा उद्देश्य की पूर्ति के लिए स्थानीय लोगों को प्रोत्सासित करना। 5–जैविक कचरे से कम्पोस्ट खाद का निर्माण कर कृषि उत्पाद में वृद्धि। 6–किचन व बाथरूम के पानी का उपचार कर उसे बाग बगीचे व कृषि कार्य में सदुपयोग।

प्रबंधन की रणनीतिः परियोजना के तहत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए निम्न रणनीति अपनायी जा रही है।
1– समुदाय में जागरूकता।
2–अपशिष्ट प्रबंधन तकनीकों की सभी को उपलब्धता।
3–सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा। कार्यकम की सफलता जन सहभागिता पर ही निर्भर है।
4–अन्य विभागों व एजेंसियों के साथ परियोजाना सम्बंधी गतिविधियों व अन्य कार्यों के लिए अभिसरण ।

संस्था के मुख्य कार्य

1. ग्राम स्तरीय सर्वे।
2. डीपीआर निर्माण।
3. मूल्यांकन।
4. ग्राम स्वच्छता समिति गठन।
5. प्रशिक्षण / मार्गदर्शन।

सृष्टि के कार्यकम

ब–सृष्टि द्वारा संचालित कार्यकमः सृष्टि विगत 17 वर्ष से जन सहयोग से समाजोत्थान के विभिन्न कार्यकमों का आयोजन करते आ रही है। वर्ष 2018–19 में संचालित कार्यकमों का विवरण निम्नानुसार है।

1–बाल लेखन कार्यशालाः बच्चों में साहित्यिक रूचि विकसित करने के साथ ही उन्हें लेखन की विभिन्न विधाओं में पारंगत करने के उद्देश्य से बन खोला बागेश्वर में बाल लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को कहानी, कविता, निबंध, यात्रा वृतांत, लेख आदि लिखने की विधा पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

2– निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षणः सृष्टि द्वारा शांतिपुरी, उधम सिंह नगर में युवक युवतियों को कम्प्यूटर का प्रारम्भिक ज्ञान देने के लिए विगत चार वर्ष से निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यकम संचालित किया जा रहा है। वर्ष 2018–19 में संस्था द्वारा 120 युवक युवतियों को छः–छः माह का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को प्रतिभाग प्रमाण पत्र भी निर्गत किये गये।

3–महिला सःशक्तिकरणः राष्ट्र पिता महात्मा गांधी के दर्शन से प्रेरणा ले कर सृष्टि अपने स्थापना काल से ही महिला सःशक्तिकरण की हिमायती रही है। Srishti believe **Rastra Pita Mahatma Gandhi's** Talisman to empower to the women. *According Gandhi ji "I will give you a Talisman. Whenever you are in doubt, or when the self becomes too much with you, apply the following test. Recall the face of the poorest and the weakest man (woman) whom you may have seen, and ask yourself, if the step you contemplate is going to be of any use of him (her). Will he (she) gain anything by it? Will it restore him (her) to a control over his (her) own life and destiny? In other words, will it lead to swaraj (freedom) for the hungry and spiritually starving millions? Then you will find your doubts and yourself melt away".* इसी उद्देश्य को ले कर संस्था अब तक सैकड़ों महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण दे चुकी है। वर्ष 2018–19 में संस्था द्वारा भवाली व बिन्दुखत्ता जनपद नैनीताल में महिलाओं को टेलरिंग, बैग मेकिंग, ब्यूटिशियन, ऐपण कला का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

4– कार्यशालाएं / संगोष्ठियांः युवाओं व युवतियों को जागरूक करने व उन्हें समाज की ज्वलंत समस्याओं से जूझने को प्रेरित व तैयार करने के लिए सृष्टि द्वारा समय–समय पर कार्यशालाओं गोष्ठियों का आयोजन किया जाता रहा है। वर्ष 2018–19 में संस्था द्वारा सूचना अधिकार व उद्यमिता विकास पर कार्यशालाओं तथा घरेलू हिंसा

सृष्टि के कार्यकम

पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

क0	स्थान	कार्यकम का विषय	गोष्ठी/कार्यकम	प्रतिभागी संख्या	वर्ग
1	भवाली	ऐपण, टेलरिंग, ब्यूटिशियन	ट्रेनिंग	90	महिलाएं
2	शान्तिपुरी	उद्यमिता विकास	कार्यशाला	30	युवक/युवतियां
3	रुद्रपुर	घरेलू हिंसा	बैठक	40	सभी वर्ग
4	खटीमा	सूचना अधिकार	कार्यशाला	60	छात्र–छात्राएं

5–शैक्षिक भ्रमण तथा प्रशिक्षणः वर्ष 2018–19 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्व एवं इंदिरा गांधी मुक्त विश्व विद्यालय में अध्ययनरत स्नातक समाज कार्य व परा स्नातक समाज कार्य के छात्र–छात्राओं द्वारा संस्थागत व जमीनी स्तर पर समाज कार्यों के संचालन को सीखने व देखने के लिए एक–एक माह का अध्ययन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने समाज कार्य, कृषि, कृषि आधारित उद्यमिता, पशुपालन, स्वास्थ्य, महिला सःशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, आजीविका एवं आय संवर्धन आदि विषयों पर मौखिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। प्रवास के दौरान छात्रों द्वारा प्रोजेक्ट्स रिपोर्ट भी तैयार की गयी।

6–एलआईसी–एमआई कार्यः सृष्टि द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के गरीब लोगों को बीमा का लाभ पहुंचाने के साथ ही रोजगार सृजन के उद्देश्य से भारतीय जीवन बीमा निगम मंडल कार्यालय हल्द्वानी के तहत एमआई अभिकर्ता का कार्य किया जा रहा है। वित्त वर्ष के दौरान संस्था द्वारा 525 ग्रामीणों को बीमा योजना से जोड़ा गया। इसके अलावा बीमा कार्य में बतौर अभिकर्ता तीन लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया। कम आय वाले व गरीब लोग बड़ी बीमा पालिसी लेने में असमर्थ रहते हैं, विशेषकर ग्रामीण। बीमा सुविधा की इस खाई को पाटने के लिए भारत सरकार ने सभी बीमा कम्पनियों को गरीबों के लिए सूक्ष्म बीमा संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी कम में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा सूक्ष्म बीमा का लाभ ग्रामीणों को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कम्पनी ने सूक्ष्म बीमा के माइको बीमा सेगमेंट में ग्रामीणों के लिए तीन उत्पाद कमशः जीवन मंगल, भाग्य लक्ष्मी व जीवन बचत योजनाएं उतारीं गयी हैं। जिसमें न्यूनतम बीमा धन दस हजार व अधिकतम 50 हजार है। न्यूनतम त्रैमासिक किस्त एक सौ रुपए लगभग है। कोई गांव 75 फीसदी बीमांकित होने पर निगम उस गांव को बीमा ग्राम घोषित करता है और गांव में सार्वजनिक निर्माण के लिए 35 हजार रुपए का अनुदान भी देता है।

7–समुदाय आधारित संगठनों का विकासः सृष्टि द्वारा संदर्भित वित्तीय वर्ष में विभिन्न परियोजनाओं के तहत 70 स्वयं सहायता समूहों, 9 ग्राम स्वच्छता समितियों व तीन स्वायत्त सहकारिताओं का गठन किया गया। सभी संगठनों के सदस्यों को उनकी जरूरत के अनुसार प्रबंधन, लेखा, व्यवसाय, अर्जित सम्पत्ति रखरखाव, निर्माण, ऋण प्रबंधन आदि का प्रशिक्षण दिया गया। इसी तरह आच्छादित वन पंचायतों की कार्यकारिणी सदस्यों को भी वन प्रबंधन, लेखा प्रबंधन आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

8–एसआरआरसीः सृष्टि रूरल रिसोर्स सेंटर की स्थापना के पीछे अवधारणा यह है कि ग्राम स्तर तक लोगों को कृषि, शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, कृषि व्यवसाय आदि की सूचना नियमित मिले। संस्था द्वारा कुछ गावों में इस प्रकार की पहल की गयी है।

सृष्टि के कार्यकम

9–कृषि उत्पाद विपणन में सहयोग एवं मार्ग दर्शन : ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिकी, अजीविका एवं जीवन स्तर में सुधार के लिए जरूरी है कि स्थानीय लोगों की कृषि उपज को बाजार मिले। विशेषकर उत्तराखण्ड में स्थानीय उपज का विपणन काफी कठिन कार्य है। कृषकों को नगदी फसल का पता नहीं है। लोग बाजार व बाजार भाव से अनभिज्ञ हैं। सृष्टि द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान कृषको को उनकी उपज के विपणन के लिए उचित व कारगर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबंध परियोजना के तहत 160 उत्पादक समूहों को सहकारिताओं से सम्बद्ध किया गया तथा उन्हें उत्पादन, संवर्धन, विपणन आदि का प्रशिक्षण दिया गया। सहकारिताओं को कय विकय में सहयोग किया गया। सृष्टि के मार्गदर्शन में सहकारिताओं द्वारा निम्नानुसार मुख्य कृषि उपज एवं सहायक उत्पादों का विपणन किया गया।

क0	उपज का नाम	मात्रा (कुन्तल)	मूल्य
1.	भंगजीरा	13.8	193060.00
2.	भांग बीज	10.66	74320.00
3.	लाल चावल	3.42	16525.00
4.	लाल धान	7.90	23700.00
5.	बुरांश जूस	250 ली0	25000.00

Future Focus Intervention

A-Natural Resource Management.
B-Women Entrepreneurship Development.
C-Promotion of Community based Organization.
D-Water Hygiene and Sanitation.
F-Model Resource Centre Development(Village level)
G-Primary Education to Deprived children and vocational education to adolescent
H-Health to all and in time.
I-Rural appropriate affordable technology transfer.
J-Promotion of ecological balance practices.
K-Reconstruct rural Infrastructure.
L-Participatory Watershed Development.
M-Food security and sustainable livelihood.
N-Networking and Alliance for right based intervention of appropriate policy reform.

हमारे पद चिन्ह

सृष्टि द्वारा सामाजिक गतिविधियों के संचालन के दौर में कुछ कार्यकम निश्चित रूप से हमारे पद चिन्ह साबित हुए हैं। संस्था द्वारा पूर्व में संचालित कुछ कार्यकमों का विवरण निम्नवत है।

1–स्वैप SWAp: सृष्टि द्वारा वर्ष 2007–08 से 2012–13 तक स्वैप कार्यकम के प्रथम, द्वितीय व तृतीय चरण में जनपद बागेश्वर में जल संस्थान, जल निगम व स्वजल के साथ बतौर सहयोगी संस्था कार्य किया गया। प्रथम चरण में 68 ग्राम पंचायतें ओडीएफ करने के साथ ही 45 ग्रामों के लिए पेयजल योजनाएं तैयार की गयी। जिसमें 5500 हाउसहोल्ड लाभान्वित हुए। इसी तरह संस्था द्वारा 50 ग्राम पंचायतों व तृतीय चरण में 25 ग्राम पंचातों/तोकों में कार्य किया गया। संस्था की गतिविधियों में सर्वे, पीएफआर व डीपीआर का कार्य के साथ ही ग्राम स्तर पर पेयजल एवं स्वच्छता समितियों का गठन एवं प्रशिक्षण भी था।

2–एचटीएम Horticulture Technology Mission : संस्था द्वारा उद्यान निदेशालय उत्तराखण्ड चौबटिया द्वारा संचालित एचटीएम के तहत औद्यानिकी (सब्जी उत्पादन)से महिला सःशक्तिकरण कार्यकम में उधम सिंह नगर जनपद के 11 विकास खण्डों में 100 महिलाओं को औद्यानिकी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यकम का लक्ष्य सब्जी उत्पादन से महिलाओं की आय में वृद्धि करना था। कार्यकम के दौरान संस्था स्तर पर 10 महिला सब्जी उत्पादक समूहों का भी गठन किया गया।

3–एनईएसी National Environment awareness Campagn : संस्था वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान में वर्ष 2004–05 से निरंतर प्रतिभाग करते आ रही है। कार्यकम का मुख्य लक्ष्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा जैव विधिता संरक्षण, जल प्रबंधन, क्लाइमेट चेंज को रोकना, बीज संग्रहण, ज्ञान रजिस्टर, भूमि सुधार, वृक्षारोपण, वन्य जन्तु संरक्षण व वनों के ह्रास को रोकने के लिए मार्गदर्शन व प्रशिक्षण देना था। कार्यकम के प्रतिभागी छात्र, कृषक, अध्यापक, समाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय संगठन, जनप्रतिनिधि, महिला संगठन आदि रहे है। कार्यकम का आयोजन हर वर्ष जनपद उधम सिंह नगर के शांतिपुरी व नैनीताल जनपद के बिन्दुखत्ता लालकुवां क्षेत्र में किया गया। कार्यकम अपने उद्श्यों की पूर्ति में सफल सिद्ध हुआ है।

4– सृजक सम्मानः सृष्टि ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित व प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सृजक सम्मान की शुआत की गयी है। अब तक संस्था, साहित्य, पत्रकारिता, समाज सेवा, मूर्ति कला, लोक संगीत, शिक्षा आदि क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले दर्जनों लोगों को सम्मानित कर चुकी है। लोगों को समारोह में सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट किया जाता है। अपेक्षा की जाती है कि वे भविष्य में भी जन सेवा में जुटे रहेंगे।

सम्मानित व्यक्तित्व
1–श्री उदय किरौला।
2–श्री प्रहलाद मेहरा।
3–श्री अवधेश श्रीवास्तव।
4–डा0 शीतल प्रसाद
5. श्री वीके वर्मा।